Chapter-7

सदा मित्र की मदद करो

STUDY NOTES

MIND MAP

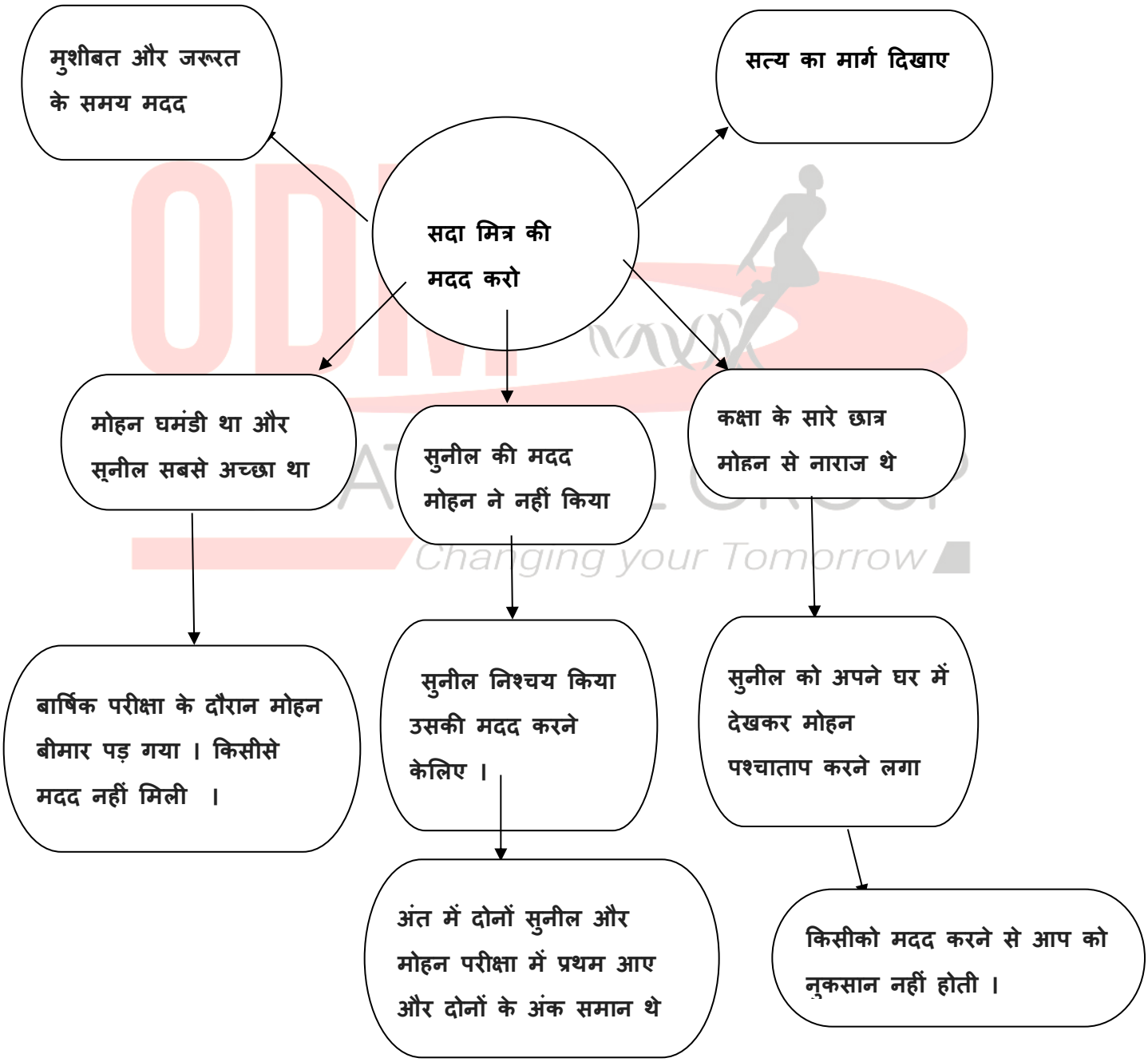

पाठ प्रवेश

जीवन को बेहतर और सुखद बनाने के लिए अनेक प्रकार की वस्तुओं और व्यक्तियों की जरूरत पड़ती है। लेकिन इनमें सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति मित्र होता है। मित्र की प्राप्ति होने के पश्चात जीवन बेहद सुखदायी बन जाता है।

एक सच्चे मित्र के साथ हर प्रकार की बात साझा की जा सकती है। मित्र वह व्यक्ति होता है, जो बिना किसी स्वार्थ के जरूरत पड़ने पर हमेशा सहायता करने के लिए तत्पर हो। मित्रता उन्हीं लोगों के बीच लंबे समय तक रहती है, जो लोग बिना किसी स्वार्थ के एक दूसरे की सहायता करते हैं।

साथ ही किसी भी परिस्थिति में उचित सलाह देने वाला एक सच्चा मित्र होता हैं। यह मित्रता एक प्रकार की सच्ची मित्रता कहलाती है। इस दुनिया में हजारों प्रकार के मित्र आपको मिल जाएंगे, लेकिन सच्चे मित्र को ढूंढना काफी मुश्किल है।हमारे इतिहास में कई ऐसे ही दोस्ती के उदाहरण है, जैसे कृष्ण और सुदामा की दोस्ती, महाराणा प्रताप और उनके घोड़े चेतक के बीच की मित्रता, राम और सुग्रीव की दोस्ती, पृथ्वीराज चौहान और चंद्रवरदाई की दोस्ती।सच्ची दोस्ती में कोई गरीबी अमीरी भी नही देखता है और इसी लिये ये रिस्ता बहुत ही पवित्र रिश्ता होता हैं।

पाठ सार

- मित्रता का हमारे जीवन का महत्त्वपूर्ण हिस्सा होती है। मित्र के बिना हर व्यक्ति अकेला है। सच्चे मित्र मुश्किल से मिलते हैं। सुदामा और कृष्ण की मित्रता, सच्ची मित्रता का उदाहरण है।
- सच्चे मित्र की पहचान मुसीबत में ही होती है। अतः मित्रता अनमोल होती है और हमारे सुचारू रूप से चलने में सहायता करती है। इसीलिए हमारे ज़ीवन में सच्चे मित्र का होना आवश्यक है। मित्र से संबधित एक कहानी के बारें में चर्चा करेंगे ।
- मोहन एक होशियार लड़का था । वह अमीर घर का लड़का था । घमंडी होने के कारण वह अपनी चीजें किसीसे बांटने केलिए पसंद नहीं करता था । उसकी स्कूल में सुनील नामक एक नया लड़का उसके कक्षा में आया । जिसको अध्यापिका कक्षा में लेकर आई थी । हाल ही में सुनील के पिता का तबादला इसी शहर में हुआ था । अध्यापिका ने मोहन से कहा ये नया है इसलिए उसकी मदद कर दो

लेकिन कक्षाकार्य के बारें में मोहन ने कुछ नहीं बताया । उसने साफ इनकार करदिया । सुनील ने इसके बारें में अध्यापिका से शिकायत नहीं की । सुनील एक अच्छा लड़का था । इसलिए सभी छात्रों को अपना मित्र बना लिया । सभी छात्र सुनील की मदद करने लगे। घमंड के कारण मोहन से कोई ज्यादा बात नहीं करते थे और उसे कोई पसंद नहीं करते थे । इम्तहान नजदीक था ,सबको लगता था कि इस बार भी मोहन कक्षा में प्रथम आएगा । इम्तहान से पहले मोहन बीमार पद गया । उसे तेज बुखार आया । डॉक्टर ने उसे कुछ दिन आराम करने केलिए कहा । परीक्षा की प्रस्तुति केलिए उसने सबसे मदद मांगी लेकिन उसके बुरे स्वभाव के कारण उसका कोई मदद नहीं किए । इस मुशीबत की घड़ी में सुनील ने उसका मदद किया । मोहन को याद आ गया कि उसने सुनील की मदद करने से इनकार कर दिया था । अपने व्यवहार पर मोहन को पछतावा हुआ । सुनील के मदद से मोहन ने परीक्षा केलिए प्रस्तुत हो गया । परीक्षा का परिणाम जब घोषित हुआ तब सभी हैरान हो गए । सुनील और मोहन दोनों के अंक समान थे और दोनों ही कक्षा में प्रथम आए थे ।

ODM EDUCATIONAL GROUP changing your Tomorrow

- **इसलिए तो कहते हैं किसिकी मदद करने से नुकसान नहीं ,फायदा होता है ।**

****

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow